/

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

प्रथम वर्ष कला शाखा

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

हिंदी (अनिवार्य) - 2018 से 2020 तक

अनिवार्य प्रश्नपत्र : सर्जनात्मक लेखन एवं संपादन कला और हिंदी कहानी

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :-

1. जनसंचार माध्यम लेखन के विविध क्षेत्रों से छात्रों को परिचित कराना।
2. स्तंभ लेखन, साक्षात्कार लेखन की कुशलता छात्रों में विकसित करना।
3. छात्रों को छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र आदि की लेखन विधि से परिचित कराना।
4. संपादक के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों से छात्रों को परिचित कराना।
5. संपादक एवं उपसंपादक के महत्त्व एवं दायित्व से छात्रों को परिचित कराना।
6. समाचार पत्र के विविध स्तभों से छात्रों को परिचित कराना।
7. समाचार पत्रों की साज–सज्जा से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :-

1. कथन तथा विश्लेषण।
2. प्रश्नोत्तर।
3. चर्चा – संगोष्ठि।
4. पी. पी. टी., आई. सी. टी. तथा भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
5. संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
6. समाचार पत्र कार्यालय तथा न्यूज एजेंसियों से भेंट।

प्रथम सत्र – अनिवार्य प्रश्नपत्र – A : सर्जनात्मक लेखन और हिंदी कहानी

अध्ययनार्थ विषय

विभाग (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
विभाग 1	स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामायिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजन सामग्री का लेखन।	15	1
विभाग 2	• दृश्य–सामग्री : छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से संबंधित लेखन। • अर्थ, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा। • साक्षात्कार : (इंटरव्यू/भेटवार्ता) उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार प्रविधि, महत्व।	15	1

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

विभाग 3	कफन (कहानी) – प्रेमचंद चीफ की दावत (कहानी) – भीष्म सहानी जहाँ लक्ष्मी कैद है (कहानी) – राजेंद्र यादव	15	1
विभाग 4	प्रायश्चित (कहानी) – भगवतीचरण वर्मा दिल्ली में एक मौत–कमलेश्वर अकेली (कहानी) – मंन्नू भंडारी	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : विभाग तीन और चार पर छह बहुविकल्पी प्रश्न 06

प्रश्न 2 : विभाग एक पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) 08

प्रश्न 3 : विभाग दो पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) 08

प्रश्न 4 : विभाग तीन और चार पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो) 08

प्रश्न 5 : विभाग तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 40

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 10**

द्वितीय सत्र – अनिवार्य प्रश्नपत्र – B : संपादन कला और हिंदी कहानी

अध्ययनार्थ विषय :–

विभाग (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
विभाग 1	संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, संपादन कला के सामान्य सिद्धांत। संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।	15	1
विभाग 2	• समाचार मूल्य, शीर्षक, आमुख, विवरण, निष्कर्ष लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। • संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। समाचार पत्र एवं पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन।	15	1
विभाग 3	भोलराम का जीव (कहानी) – हरिशंकर परसाई मलबे का मालिक (कहानी) – मोहन राकेश, युद्ध (कहानी) – शानी	15	1
विभाग 4	जिंदगी और जोंक (कहानी) – अमरकांत दूसरा ताजमहल (कहानी) – नासिरा शर्मा तिरिक्ष (कहानी) – उदय प्रकाश	15	1

VIVEKANAND COLLEGE
ESTD JUNE 1964
KOLHAPUR-416 003

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :-

	अंक
प्रश्न 1 : विभाग तीन और चार पर छह बहुविकल्पी प्रश्न	06
प्रश्न 2 : विभाग एक पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	08
प्रश्न 3 : विभाग दो पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	08
प्रश्न 4 : विभाग तीन और चार पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	08
प्रश्न 5 : विभाग तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
कुल अंक –	**40**

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 10**

संदर्भ ग्रंथ :-

1. संचार माध्यमों की भूमिका – रेमंड विलियम्स
2. समाचार पत्र : संपादन और प्रकाशन – डॉ. राजेंद्र राही
3. जनसंचार माध्यम : विविध आयाम – बृजमोहन गुप्त
4. समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरणबाला
5. समाचार संपादन – कमल दीक्षित, महेश दर्पण
6. मीडिया लेखन – चंद्रप्रकाश मिश्र
7. जनसंचार एवं पत्रकारिता – प्रो. रमेश जैन
8. पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी
9. संचार माध्यमों की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारख

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

विभागाध्यक्ष,
.दी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

प्रथम वर्ष कला शाखा

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE)

हिंदी (ऐच्छिक) (2018 से 2020 तक)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :–

1. हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाना तथा साहित्य की विविध विधाओं से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से छात्रों को परिचित कराना।
3. हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन की क्षमताओं को छात्रों में विकसित करना।
4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, व्यंग आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5. नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति छात्रों में आस्था निर्माण करना।
6. राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु छात्रों में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार करना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा सर्जनात्मकता को बढ़ावा देना।

अध्यापन पद्धति :–

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक–श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
6. पी. पी. टी., आई. सी. टी. तथा भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

पाठ्य पुस्तक :– 'साहित्य संचयन'

संपादक एवं प्रकाशक – विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

प्रथम सत्र : ऐच्छिक प्रश्नपत्र –1 : कथेतर गद्य साहित्य और रचनात्मक लेखन

अध्ययनार्थ गद्य पाठ :–

विभाग (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
विभाग 1	1. ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से (निबंध) – रामधारी सिंह 'दिनकर' 2. सच बोलना ही कविता है (निबंध) – कुबेरनाथ राय 3.महाभारत फिर से लिखा जाए (निबंध) – शरद जोशी	15	1
विभाग 2	1. निराला भाई (संस्मरण) – महादेवी वर्मा 2. तुम्हारी स्मृति (संस्मरण) – माखनलाल चतुर्वेदी मेरा 3. मेरा हमदम मेरा दोस्त कमलेश्वर (संस्मरण) – राजेंद्र यादव	15	1
विभाग 3	1. एक कुत्ता और एक मैना (रेखाचित्र) – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. ये हैं प्रोफेसर शशांक (रेखाचित्र) – विष्णुकांत शास्त्री 3. महाकवि जयशंकर प्रसाद (रेखाचित्र) – शिवपूजन सहाय	15	1
विभाग 4	1. रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत 2. लेखन के विविध रूप : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :–	**अंक**
प्रश्न 1 : विभाग एक, दो और तीन पर छह बहुविकल्पी प्रश्न	06
प्रश्न 2 : विभाग चार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	08
प्रश्न 3 : विभाग दो पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	08
प्रश्न 4 : विभाग तीन पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	08
प्रश्न 5 : विभाग एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
कुल अंक –	**40**

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 10**

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

द्वितीय सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – 2 : छायावादोत्तर हिंदी कविता और रचनात्मक लेखन

अध्ययनार्थ गद्यपाठ :–

अ.क्र. विभाग (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका(Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
विभाग 1	1. अकाल और उसके बाद – नागार्जुन 2. साँप – अज्ञेय 3. लड़ाई जारी है – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 4. माँ पर नहीं लिख सकता कविता–चंद्रकांत देवताले	15	1
विभाग 2	5. गीत फरोश – भवानी प्रसाद मिश्र 6. बीस साल बाद – धूमिल 7. चंपा काले–काले अक्षर नहीं चिह्नती–त्रिलोचन 8. हो गई है पीर – दुष्यंतकुमार	15	1
विभाग 3	9. फर्क नहीं पड़ता – केदारनाथ सिंह 10. स्त्री–सुशीला टाकभौरे 11. बच्चे काम पर जा रहे हैं–राजेश जोशी 12. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा–निर्मला पुतुल	15	1
विभाग 4	• सूचना–तंत्र के लिए लेखन 1. मुद्रित माध्यम (प्रिंट मीडिया) : रिपोर्ताज, फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार 2. दृक श्रव्य माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, धारावाहिक पटकथा लेखन।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :–	**अंक**
प्रश्न 1 : विभाग एक, दो और तीन पर छह बहुविकल्पी प्रश्न	06
प्रश्न 2 : विभाग चार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	08
प्रश्न 3 : विभाग एक, दो और तीन पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	08
प्रश्न 4 : विभाग एक, दो और तीन पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	08
प्रश्न 5 : विभाग एक, दो और तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
कुल अंक –	**40**

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 10**

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

संदर्भ ग्रंथ :–

1. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
2. कहानी के नए प्रतिमान – कुमार कृष्ण
3. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन – डॉ. मु. ब. शहा
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में मानवीय चिंतन – डॉ. सुरिंदरकौर गौड
5. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य – डॉ. सूर्यकांत शिंदे
6. मन्नू भंडारी की कहानियों के मूल्य चेतना – डॉ. ओम प्रकाश नायर
7. भीष्म सहानी की कहानियों में मानवीय संबंध – डॉ. संजय डगपायले
8. महादेवी वर्मा व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ. विमलेश तेवतिया
9. परसाई के साहित्य में समकालीन यथार्थ – डॉ. यंध्या कुमारी सिंह
10. कथाकार भीष्म सहानी – डॉ. कृष्णा पटेल
11. छायावादोत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ – त्रिलोचन पाण्डेय
12. नागार्जुन के काव्य में जनचेतना – डॉ. सुभाष क्षीरसागर
13. समकालीन कविता – विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.